हिन्दी

(वसंत)(पाठ 8)(सर्वेश्वरदयाल सक्सेना– शाम एक किसान)

(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1:

इस कविता में शाम के दृश्य को किसान के रूप में दिखाया गया है यह एक रूपक है। इसे बनाने के लिए पाँच एकरूपताओं की जोड़ी बनाई गई है। उन्हें उपमा कहते हैं। पहली एकरूपता आकाश और साफे में दिखाते हुए कविता में –

'आकाश का साफा' वाक्यांश आया है। इसी तरह तीसरी एकरूपता नदी और चादर में दिखाई गई है, मानो नदी चादर–सी हो। अब आप दूसरी, चौथी और पाँचवी एकरूपताओं को खोजकर लिखिए।

उत्तर 1:

सूरज की चिलम

जंगल की अँगीठी

भेड़ों के गल्ले–सा।

प्रश्न 2:

शाम का दृश्य अपने घर की छत या खिड़की से देखकर बताइए –

क:

शाम कब से शुरू हुई?

क:

जब से सूरज का पश्चिम में डूबना शुरू हुआ तब से शाम शुरू हुई ।

ख:

तब से लेकर सूरज डूबने में कितना समय लगा ?

ख:

तब से लेकर सूरज को लगभग एक से डेढ़ घंटे को समय लगा ।

ग:

इस बीच आसमान में क्या–क्या परिवर्तन आए ?

ग:

इस बीच आसमान में बहुत से परिवर्तन आए जैसे आसमान सफेद से नारंगी ,नारंगी से लाल , लाल से सलेटी और सटेटी से धीर–धीरे काले पन की ओर बढ़ते हुए काला हो गया और रात में बदल गया ।

प्रश्न 3:
मोर के बोलने पर कवि को लगा जैसे किसी ने कहा हो 'सुनते हो'। नीचे दिए पक्षियों की बोली सुनकर उन्हें भी एक या दो शब्दों में बाँधिए।
कबूतर, कौआ, मैना
तोता, चील, हंस

उत्तर 3:

कबूतर	संदेश लाया है।
कौआ	मेहमान के आने का संदेश लाया है।
मैना	सुंदर गीत सुनो।
तोता	किसी के आने का संदेश लाया ।
चील	ऊपर की ओर देखो ।
हंस	मोती चुनो ।

कविता से आगे

प्रश्न 1:
इस कविता को चित्रित करने के लिए किन–किन रंगों का प्रयोग करना होगा ?

उत्तर 1:
इस कविता को चित्रित करने के लिए लाल , काले , पीले, सफेद रंग का प्रयोग करना होगा ।

प्रश्न 2:
शाम के समय ये क्या करते हैं ? पता लगाइए और लिखिए
पक्षी , खिलाड़ी , फलवाले , माँ
पेड़–पौधे , पिता जी , किसान , बच्चे

उत्तर 2:
- पक्षी अपने घोसलों में लौटते हैं
- खिलाड़ी समय के अनुसार अपना खेल बंद करते है या खेलते हैं ।
- फलवाले फल बेचते हैं। ।
- मॉ अपने बच्चों के लिए खाना बनाती है ।
- पेड़–पौधे शांत हो जाते हैं ऐसा लगता है कि वे सो गए हों ।
- पिताजी आफिस या दुकान से घर लौटते हैं ।
- किसान दिन भर खेत में मेहनत करके अपने घर को लौटते हैं ।
- बच्चे अपने विद्‌यालय का गृहकार्य करते है।

प्रश्न 3:
हिन्दी के एक प्रसिद्ध कवि सुमित्राानंदन पंत ने संध्या का वर्णन इस प्रकार किया है –
संध्या का झुटपुट
बाँसों का झुरमुट
है चहक रहीं चिड़ियाँ
टी–वी–टी––टुट्–टुट्
ऊपर दी गई कविता और सर्वेश्वरदयाल जी की कविता में आपको क्या मुख्य अंतर लगा ? लिखिए।

उत्तर 3:
दोनों कविताओं में संध्या का वर्णन किया गया है किंतु दोनों में स्थितियॉ अलग–अलग हैं पंत जी ने जहॉ पक्षियों के माध्यम से संध्या सुंदर चित्रण किया है तो वहीं सर्वेश्वरदयाल जी ने किसान के माध्यम से संध्या का सुंदर चित्रण किया है ।